Sahaja Yoga Central Committee of India
(Formed as per instructions given on July 20, 2008 by Mataji Shree Nirmala Devi, after Guru Puja)

Her Holiness Mataji Shree Nirmala Devi
(Founder of Sahaja Yoga)

communications@syccindia.org www.syccindia.org

Communication from The Sahaja Yoga Central Committee of India (SYCCI

Subject : Self searched matches / life partners in sahaja yoga collectivity

भारतीय सहज योग केन्द्रीय सामिती (सहज योग सैन्ट्रल कमेटी ऑफ इण्डिया) की ओर से संचार।

विषयः सहज योग सामूहिकता में स्वयं के द्वारा खोजे गए जोड़े/जीवन साथी।

Dear Sahaji brothers and sisters,
It has come to our notice recently that some Sahaja Yogis, who are a small exception, are seen to be spoiling the sanctity and purity of Sahaja Yoga, by acting against the explicit instructions of Her Holiness Shree Mataji.

प्रिय सहजी भाईयो और बहनों,
हाल ही में हमारे संज्ञान में आया है कि कुछ सहजयोगी, जो कि एक छोटा सा अपवाद हैं, परम पूजनीय श्रीमाताजी के स्पष्ट निर्देशों के विरूद्ध कार्य करके, सहजयोग की पवित्रता और पावनता को खराब करते हुए देखे जा रहे हैं।

We bring to your attention, the sahaja maryadas to be observed regarding marriages in Sahaja Yoga and choosing one's life partners in Sahaja Yoga.

हम आपके ध्यान में सहज योग में विवाह और सहज योग में किसी के जीवन साथी को चुनने के सम्बन्ध में देखी जाने वाली सहज मर्यादाएं लाते हैं।

Her Holiness Shree Mataji has on numerous occasions spoken about the importance of establishing the purity of our Mooladhara and also on the sanctity of marriages. She has always warned yogis and yoginis not to search for a life partner within the Sahaja collective, as this is against the principles of Sahaja Yoga. In several cases when this has happened, the couple has been asked to step back from the Sahaja collective for a period of time.

परम पूजनीय श्रीमाताजी ने कई अवसरों पर हमारे मूलाधार की पवित्रता स्थापित करने और विवाह की पवित्रता के महत्व के बारे में बात की है। उन्होंने हमेशा योगियों और योगिनियों को चोतावनी दी है कि वे सहज समूह के भीतर जीवन साथी की तलाश न करें, क्योंकि यह सहज योग के सिद्धान्तों के खिलाफ है। कई मामलों में जब ऐसा हुआ है, तो जोड़े को कुछ समय के लिए सहज सामुहिकता से अलग रहने के लिए कहा गया है।

One of the main principles governing the Sahaja collective is that of pure relationships between yogis and yoginis within the collective. Purity of relationships means that we should consider each and every yogi and yogini of the Sahaja collective as our brother or sister. Purity and auspiciousness are the qualities of our Mooladhara which is the chakra sustaining our Kundalini in Her ascent. Therefore, for the ascent of the entire collective, purity is one of the basis, without which any collective cannot grow either in spiritual

depth or numbers. You will understand that parents will be very reassured about their children if these maryadas and protocols are maintained in the collective.

सहज सामूहिकता को नियन्त्रित करने वाले मुख्य सिद्धान्तों में से एक उस सामूहिकता के भीतर योगियों और योगिनियों के बीच शुद्ध सम्बन्धों का है। रिश्तों की पवित्रता का अर्थ है कि हमें सहज समूह के प्रत्येक योगी और योगिनी को अपना भाई या बहन मानना चाहिए। पवित्रता और शुभता हमारे मूलाधार के गुण हैं जो चक्र हमारी कुण्डलिनी को उसके आरोहण में बनाए रखता है। इसलिए, सम्पूर्ण सामूहिकता के उत्थान के लिए पवित्रता एक आधार है, जिसके बिना कोई भी सामूहिकता आध्यात्मिक गहराई या संख्या में विकसित नहीं हो सकती है। आप समझेंगे कि अगर सामूहिक रूप से इन मर्यादाओं और प्रोटोकॉल का पालन किया जाए तो माता–पिता अपने बच्चों के बारे में बहुत आश्वस्त होंगे।

It is important to maintain the purity of the centres where the collectives meet and at every place of sahaja collectivity at all costs. There cannot be any compromise with this. Following the explicit instructions of Her Holiness Shree Mataji, members of the SYCCI, have absolute zero tolerance for such Asahaja activities.

उन केन्द्रों की पवित्रता बनाए रखना महत्वपूर्ण है जहाँ सामूहिकता मिलती है और सहज सामूहिकता के प्रत्येक स्थान पर हर कीमत पर शुद्धता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता। परम पूजनीय श्री माताजी के स्पष्ट निर्देशों का पालन करते हुए, एस.वाई.सी.सी.आई. के सदस्य, ऐसी असहज गतिविधियों के प्रति पूर्णतः शून्य सहिष्णुता रखते हैं।

Those who indulge in such marriages should asked to stay away from the sahaja collectivity (i.e. centres and Pujas, and collective events). We also request all Sahaja yogis/yoginis to please not sanctify this marriage by participating in events related to this marriage in order to preserve the purity of the collective and follow Shree Mataji's explicit and repeated instructions in this regard.

जो लोग ऐसी शादियों में लिप्त होते हैं उनहें सहज सामूहिकता (यानि केन्द्र और पूजा और सामूहिक आयोजन) से दूर रहने के लिए कहा जाना चाहिए। हम सभी सहज योगियों/यागिनियों से भी अनुरोध करते हैं कि सामूहिक पवित्रता को बनाए रखने के लिए कृपया इस प्रकार के विवाह से सम्बन्धित कार्यक्रमों में भाग लेकर इस प्रकार के विवाह को मान्यता ना दें और इस सम्बन्ध में श्री माताजी के स्पष्ट और बार–बार दिए गए निर्देशों का पालन करें।

Sahaja Yoga centers and coordinators should not permit any such impure relationship to be carried on within the collectivity. They must continuously counsel the collective Yuva Shakti members on the protocols and maryadas of maintaining purity of the collective. Parents of Yuvas are also advised not to search for matches for their sons and daughters within the sahaja collective for the same reason.

सहज योग केन्द्रों और समन्वयकों को सामूहिकता के भीतर ऐसे किसी भी अशुद्ध रिश्ते को चलने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। उन्हें सामूहिक युवा शक्ति के सदस्यों को सामूहिक शुद्धता बनाए रखने के प्राटोकॉल और मर्यादाओं पर लगातार सलाह देनी चाहिए। युवाओं के माता–पिता को भी इसी कारण से सहज समूह के भीतर अपने बेटे और बेटियों के लिए रिश्ते की तलाश न करने की सलाह दी जाती है।

We sincerely request all sahajis to denounce and discourage any such anti-sahaja activities/ events in every possible manner. This would go a long way in strengthening the purity of all Yuva Shaktis in Sahaja Yoga and the auspiciousness within the sahaja collective.

हम ईमानदारी से सभी सहजियों से अनुरोध करते हैं कि वे हर सम्भव तरीके से ऐसी किसी भी सहज विरोधी गतिविधियों/घटनाओं की निंदा करें और उन्हें हतोत्साहित करें। यह सहज योग में सभी युवा शक्तियों की पवित्रता और सहज सामूहिकता के भीतर शुभता को मजबूत करने में एक लम्बा रास्ता तय करेगा।

All the Members of The Sahaja Yoga Central Committee of India
Dated : December 24, 2023

भारत की सहज योग केन्द्रीय समिती के सभी सदस्य
दिनांक 24 दिसम्बर, 2023

In the interest of re-emphasizing the sahaja protocols, below are few quotes of ***Her Holiness Shree Mataji from Raksha Bandhan Puja, Hounslow, UK, 1984-08-11*** *on this subject :*

सहज प्रोटोकॅल पर फिर से जोर देने के हित में, इस विषय पर रक्षा बन्धन पूजा, हाउन्सलॉ, यू0के0 1984–08′11 से परम पूजनीय श्री माताजी द्वारा दिए गए कुछ उद्धरण नीचे दिए गए हैं:

"...that though we have understood the importance of Mooladhara, which is a very important thing, that unless and until we establish our Mooladhara fully we are not going to have speediest ascent. Despite all that, there are lingering things you see around. Like, ***people start choosing their life-partners in Sahaja Yoga. That is not allowed****. That is not allowed. You are not to spoil your Ashrams, your centres-using them for a marriage-searching society.*

''...हालाँकि हमने मूलाधार के महत्व को समझ लिया है, जो कि एक बहुत ही मत्वपूर्ण बात है, लेकिन जब तक हम अपने मूलाधार को पूरी तरह से स्थापित नहीं कर लेते, तब तक हम सबसे तेज गति से ऊपर नहीं चढ़ पाऐंगें। इन सबके बावजूद, आप अपने आस–पास कुछ ऐसी चीज़ें देखते हैं जो अस्तित्व में हैं, जैसे सहज योग में लोग अपना जीवन साथी चुनना शुरू करते हैं। इसकी अनुमति नहीं है, इसकी अनुमति नहीं है। आपको अपने आश्रमों, केन्द्रों को विवाह–खोज समाज के लिए उपयोग कर के बर्बाद नहीं करना है।

You must respect this point, you must respect. If you have to marry, then you can find your life partners 'outside' Sahaja Yoga-to begin with. But if you want to marry 'in' Sahaja Yoga, then you should not go on searching people in Sahaja Yoga. It is very dangerous thing for Sahaja Yoga itself, and for you people.
आपको इस बात का सम्मान करना चाहिए, आपको सम्मान करना चाहिए। यदि आपको विवाह करना है तो शुरूआत के लिए आप सहजयोग से 'बाहर' अपना जीवन साथी ढूँढ सकते हैं। लेकिन यदि आप 'सहज योग' में विवाह करना चाहते हैं, तो आपको सहज योग में लोगों की तलाश नहीं करनी चाहिए। यह सहज योग के लिए और आप लोगों के लिए बहुत खतरनाक बात है।

That is one thing one should never try to do with Sahaja Yoga. For all practical purposes you are brothers and sisters. And that's why I always encouraged marriage between people who belong to another country or another centre. As we are now having a big marriage programme, I would say that most of the marriages which were done like that are very successful than the marriages that were selected and were done. ***It's very wrong to do such a thing as to arrange your marriage with a Sahaja Yogi by yourself. It will be dangerous. I don't want to say anything; but it wouldn't turn out to be good because it is anti-God activity. Absolutely anti-God.*** *..."*

यह एक ऐसी चीज़ है जिसे सहज योग के साथ कभी भी करने का प्रयास नहीं करना चाहिए। सभी व्यवहारिक उद्देश्यों के लिए आप भाई–बहन हैं। और इसलिए मैं हमेशा उन लोगों के बीच विवाह को प्रोत्साहित करती हूँ जो दूसरे देश या किसी अन्य केन्द्र से हैं। जैसा कि हम अब एक बड़ा विवाह कार्यक्रम कर रहे हैं, मैं कहूँगी कि जो विवाह इस प्रकार किए गए उनमें से अधिकाँश विवाह उन विवाहों की तुलना में बहुत सफल हैं जो चुने गए थे। **ऐसा करना बहुत गलत है कि आप स्वयं ही किसी सहज योगी के साथ अपनी शादी तय कर लें। यह खतरनाक होगा। मैं कुछ नहीं कहना चाहती लेकिन यह अच्छा नहीं होगा क्योंकि यह ईश्वर विरोधी गतिविधी है। बिल्कुल ईश्वर विरोधी... ...''**

"You have got experiences of people who married outside and brought wonderful people to Sahaja Yoga. If you can do it, you should do it. But if you have to marry Sahaja Yogis, you should not marry them at the cost of destroying the purity and the idealism it has. For your own sake, for your own pleasures, you should not spoil the name of Sahaja Yoga. That is one thing I have seen, so I would say that today, as it is the day of purity between relationships, let us know that you have to treat each other as brothers and sisters. No such play should be followed. Don't allow your mind to drift into this. Because if you allow, then there's no end to it. As it is, you know how hard it is to bring you back to normal. When Christ had said, "Thou shalt not have adulterous eyes," He didn't say it because it was not practical. It is quite practical for Sahaja Yogis."

''आपको ऐसे लोगों के अनुभव मिले हैं जिन्होंने बाहर शादी की और अद्भुत लोगों को सहज योग में लाए। यदि आप यह कर सकते हैं तो आपको यह करना चाहिए, लेकिन अगर आप को सहज योगियों से शादी करनी है तो आपको उनकी पवित्रता और आदर्शवाद को नष्ट करने की कीमत पर उनसे शादी नहीं करनी चाहिए। वह एक चीज़ है जो मैंने देखी है, इसलिए मैं कहूँगी कि आज रिश्तों के बीच पवित्रता का दिन है, आईए जानें कि आपको एक दूसरे के साथ भाई–बहन की तरह व्यवहार करना है। इस प्रकार का कोई कार्य नहीं किया जाना चाहिए। अपने मन को इसमें मत भटकने दो। क्योंकि अगर आप इजाज़त दें तो इसका कोई अन्त नहीं है। वैसे भी, आप जानते हैं कि आपको वापस सामान्य स्थिती में लाना कितना कठिन है। जब ईसा मसीह ने कहा था, ''आपकी आँखें भी व्यभिचारी नहीं होनी चाहिए,'' उन्होंने ऐसा नहीं कहा क्योंकि यह व्यवहारिक नहीं था। सहज योगियों के लिए यह काफी व्यवहारिक है।

For more details we request you to read "Sahaja Marriages Principles and Protocols" on www.sahajayogamumbai.org".

अधिक जानकारी के लिए हम आपसे ***www.sahajayogamumbai.org*** पर '' सहज विवाह सिद्धान्त और प्रोटोकॉल'' पढ़ने का अनुरोध करते हैं।